केवल पढ़ने के लिए

सारे जहां से अच्छा...

गीत

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा,
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा।

पर्वत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमां का,
वो संतरी हमारा, वो पासबां हमारा।

गोदी में खेलती हैं इसकी हज़ारों नदियाँ,
गुलशन है जिनके दम से रश्के-जिनाँ हमारा।

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा,
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा।

– *मोहम्मद इकबाल*

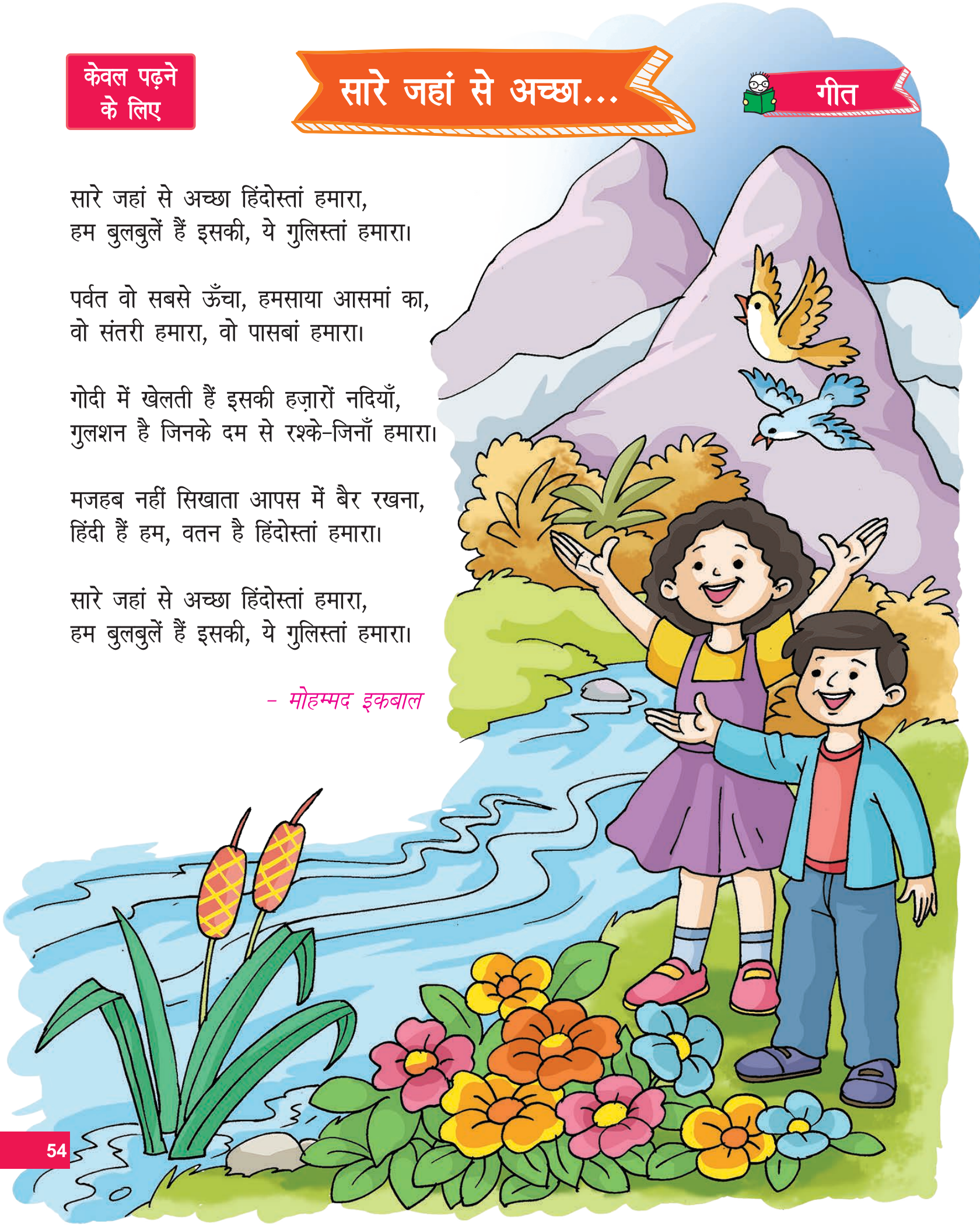

भाषा ज्ञान

‘हट’ के योग से नए शब्द बनाओ।

लड़खड़ा – लड़खड़ाहट

झल्ला – ----------

मुस्कुरा – ----------

घबरा – ----------

कड़वा – ----------

वाक्य शुद्ध करके लिखो।

(क) रात का घड़ी थी । ----------

(ख) बेचारे लाठी से टकरा गई । ----------

(ग) गाँधी जी मुस्कुरा उठी । ----------

(घ) रखता हूँ मैं लंबा-मोटा यह छड़ी । ----------

पाठ में आपने पढ़ा – ‘घड़ी थी रात की’ यहाँ घड़ी शब्द का अर्थ है – समय।
‘घड़ी’ शब्द का एक अन्य अर्थ है – ‘समय बताने वाला यंत्र’।

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

इन शब्दों के अर्थ भी पढ़ो और समझो।

अंक	गोद	संख्या
आम	फल का नाम	सामान्य
अंबर	आकाश	कपड़ा
उत्तर	दिशा	जवाब
पत्र	पत्ता	चिट्ठी
कर	हाथ	टैक्स

केवल पढ़ने के लिए

प्यारे बापू

कविता

हम सबके थे प्यारे बापू ।
सारे जग से न्यारे बापू ।।

कभी न हिम्मत हारे बापू ।
भारत के उजियारे बापू ।।

लगते तो थे दुबले बापू।
थे ताकत के पुतले बापू।।

सदा सत्य अपनाते बापू।
सबको गले लगाते बापू।।

'हम हैं एक' सिखाते बापू ।
अच्छी राह दिखाते बापू ।।

मोहम्मद इकबाल